कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (62) खण्ड - {123}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- हम सो देवी-देवता चैतन्य में खुद बन रहे हैं। चैतन्य में होंगे तब -

A- पूजा आदि नहीं होगी।

B- पत्थर की पूजा करते हैं।

C- जैसे पत्थरबुद्धि थे।

D- यह ज्ञान होगा।

प्रश्न 2- राइट अक्षर पहचानिए ?

A- स्थापना, पालना, विनाश

B- स्थापना, विनाश,पालना

C- विनाश, स्थापना, पालना

D- पालना, विनाश, स्थापना

प्रश्न 3- अन्दर का संशय कैसे दूर होगा ?

A- बाप जो रोज़-रोज़ पढ़ाते हैं, उस पढ़ाई से

B- बाप के दिल को जीतने से

C- श्रीमत पर चलने से

D- अविनाशी सर्जन को सुनाओ तो

प्रश्न 4- कौनसा चित्र दिल में प्यार बढ़ाता है ?

A- त्रिमूर्ति

B- लक्ष्मी-नारायण

C- श्रीकृष्ण

D- ब्रह्मा बाबा

प्रश्न 5- वन्डर ऑफ दी वर्ल्ड है ?

A- बाबा

B- आत्मा

C- परमधाम

D- सतयुग

प्रश्न 6- अविनाशी नहीं है-

A- 84 जन्मों का पार्ट

B- आत्मा

C- ड्रामा

D- शरीर

प्रश्न 7- तुम कौन सी बरसात कर हरियाली करने वाले हो ?

A- गुण

B- ज्ञान

C- शक्ति की

D- दुआओं की

प्रश्न 8- अपनी ऊंची स्थिति अथवा ऊंचे स्थान पर बैठ कम से कम कितने घण्टे विश्व को लाइट और माइट दो ?

A- 2

B- 3

C- 4

D- 6

प्रश्न 9- शिव जयन्ती पर कौन सी दुकान निकाल सेवा करनी है ?

A- शिवबाबा की

B- फायदे की

C- अविनाशी ज्ञान रत्नों की

D- गीता के भगवान की

प्रश्न 10- बाबा ने नम्बरवन मन्त्र दिया है -

A- मौज में रहो

B- मैं कौन हूँ,

C- मन्मनाभव

D- ओम् शांति

प्रश्न 11- घर-घर में शिव जयन्ती मनानी चाहिए। तुम ज्ञान गंगायें हो ना। तो हर एक के पास क्या होनी चाहिए ?

A- गीता पाठशाला

B- प्रदर्शनी

C- मुरली

D- पूरी नालेज

प्रश्न 12- कौन से मैडल्स पर ही समझाओ फिर जो लायक होंगे वह झट कहेंगे हमको यह मिल सकते हैं ?

A- शिव विष्णु चतुर्भुज

B- त्रिमूर्ति

C- लक्ष्मी-नारायण

D- श्रीकृष्ण

प्रश्न 13- देही-अभिमानी स्थिति है -

A- सर्विस की सफलता की आधार

B- आधाकल्प के लिए समस्याओं को विदाई देने का आधार

C- समाधान स्वरूप बनने का आधार

D- विकर्मों पर विजय का आधार

प्रश्न 14- तुम्हारे तीर्थ हैं-

A- आबू

B- शिवबाबा

C- मुक्तिधाम

D- चारों धाम

प्रश्न 15- तुम्हारा एक-एक बोल कैसा होना चाहिए ?

A- फर्स्टक्लास

B- बहुत मीठा फर्स्टक्लास

C- बहुत युक्तियुक्त

D- सुखदायी

प्रश्न 16- सुख कैसे बढ़ता जायेगा ?

A- बादशाही मिलती है तो

B- जितना याद में रहेंगे उतना

C- चक्रवर्ती महाराजा बनेंगे तो

D- आत्मिक स्मृति में रहने से

भाग (62) खण्ड {123} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.पूजा आदि नही होगी*

अभी तुम बच्चे समझते हो हम सो देवी-देवता चैतन्य में खुद बन रहे हैं। *चैतन्य में होंगे तब पूजा आदि नहीं होगी।* जब पत्थरबुद्धि बनते हैं तब पत्थर की पूजा करते हैं। चैतन्य हैं तो पूज्य हैं फिर पुजारी बन जाते हैं। वहाँ न कोई पुजारी होते, न ही कोई पत्थर की मूर्ति होती।

उत्तर 2- *B.स्थापना,विनाश,पालना*

ऐसे नहीं कहना होता है कि स्थापना, पालना, विनाश। नहीं, *पहले स्थापना फिर विनाश, बाद में पालना, यह राइट अक्षर हैं।* बाद में रावण की पालना शुरू होती है। वह झूठी

विकारी पतित बनने की पालना है, जिससे सब दु:खी होते हैं। बाप तो कभी किसको दु:ख नहीं देते।

उत्तर 3- *A.बाप जो रोज-रोज पढ़ाते हैं, उस पढ़ाई से*

बाप जो रोज़-रोज़ पढ़ाते हैं, यह पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है, इस पढ़ाई से ही अन्दर का संशय दूर होता है। बाप तो हर बच्चे को एक जैसा ही पढ़ाते हैं फिर कोई समय ऐसी गुह्य बातें निकलती हैं जो पुराना संशय ही उड़ जाता है, फिर खड़े हो जाते हैं इसलिए बाबा की पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी चाहिए।

उत्तर 4- *B.लक्ष्मी-नारायण*

बाबा कहते हैं यह लक्ष्मी-नारायण का चित्र तो हरेक के पास होना चाहिए। यह चित्र दिल में प्यार बढ़ाता है। दिल में आता है - बस, यह मृत्युलोक में लास्ट जन्म है। फिर हम अमरलोक में यह जाकर बनूँगा, ततत्वम्। ऐसे नहीं कि आत्मा सो परमात्मा।

उत्तर 5- *A.बाबा*

मुख्य है ड्रामा, जिसकी नॉलेज तुमको अभी मिलती है। बाकी तो सब हैं मटेरियल क्योंकि वह सब इन ऑखों से देखा जाता है। *वन्डर ऑफ दी वर्ल्ड तो बाबा है* , जो फिर रचते भी स्वर्ग हैं, जिसको हेविन, पैराडाइज कहते हैं। उनकी कितनी महिमा है।

उत्तर 6- *D.शरीर*

मनुष्य आत्मा को ही नहीं जानते हैं तो परमात्मा को फिर कैसे जान सकेंगे। कितने बड़े विद्वान, पण्डित आदि हैं, कोई भी आत्मा को नहीं जानते। अब तुमको मालूम हुआ है कि *आत्मा अविनाशी है, उसमें 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूंधा हुआ है, जो चलता रहता है। आत्मा अविनाशी तो पार्ट भी अविनाशी है।*

उत्तर 7- *B.ज्ञान*

तुम ज्ञान की बरसात कर हरियाली करने वाले हो , तुम्हें धारणा करनी और करानी है,जो बादल बरसते नहीं हैं वह हैं सुस्त बादल। चुस्त वह जो बरसते हैं। अगर धारणा हो तो बरसने के बिना रह नहीं सकते। जो धारणा कर दूसरों को नहीं कराते उनका पेट पीठ से लग जाता है, वह गरीब हैं। प्रजा में चले जाते हैं।

उत्तर 8- *C. 4*

जैसे ऊंची टावर से सकाश देते हैं, लाइट माइट फैलाते हैं। ऐसे आप बच्चे भी *अपनी ऊंची स्थिति अथवा ऊंचे स्थान पर बैठ कम से कम 4 घण्टे विश्व को लाइट और माइट दो।* जैसे सूर्य भी विश्व में रोशनी तब दे सकता है जब ऊंचा है। तो साकार सृष्टि को सकाश देने के लिए ऊंचे स्थान निवासी बनो।

उत्तर 9- *C.अविनाशी ज्ञान रत्नों की*

जैसे दीवाली पर मनुष्य बहुत दुकान निकाल बैठते हैं, *तुमको फिर अविनाशी ज्ञान रत्नों का दुकान निकाल बैठना

है।* तुम्हारा कितना अच्छा सजाया हुआ दुकान होगा। *मनुष्य दीवाली पर करते हैं, तुम फिर शिवजयन्ती पर करो। *

उत्तर 10- *C.मन्मनाभव*

डॉक्टर लोग भी किताब रखते हैं, उसमें देखकर दवाई देते हैं। तो बच्चों को कितना अच्छी रीति पढ़ना चाहिए, सर्विस करनी चाहिए। *बाबा ने नम्बरवन मन्त्र दिया है* मन्मनाभव। बाप और वर्से को याद करो तो स्वर्ग के मालिक बन जायेंगे।

उत्तर 11- *A.गीता पाठशाला*

घर-घर में शिव जयन्ती मनानी चाहिए। *तुम ज्ञान गंगायें हो ना। तो हर एक के पास गीता पाठशाला होनी चाहिए।* घर-घर में गीता तो पढ़ते हैं ना। पुरूषों से भी मातायें भक्ति में तीखी होती हैं। ऐसे कुटुम्ब (परिवार) भी होते हैं जहाँ गीता पढ़ते हैं। तो घर में भी चित्र रख देने चाहिए। लिख दें कि बेहद के बाप से आकर फिर से वर्सा लो।

उत्तर 12- *C.लक्ष्मी-नारायण*

इन लक्ष्मी-नारायण के चित्र को तुम्हारे सिवाए कोई समझ न सके। कहेंगे चित्र तो बहुत अच्छा बनाया है, बाबा को तो यह चित्र देख बहुत खुशी होती है। स्टूडेन्ट को तो खुशी होनी चाहिए ना - हम पढ़कर यह बनते हैं। *पहले-पहले तो कोई को भी इस मैडल्स पर ही समझाओ फिर जो लायक होंगे वह झट कहेंगे - हमको यह मिल सकते हैं?* हाँ, क्यों नहीं। इस धर्म का जो होगा उसको तीर लग जायेगा। उसका कल्याण हो सकता है।

उत्तर 13- *A.सर्विस की सफलता का आधार*

बाप तो कहते हैं सिर्फ मुझे याद करो। तुम सबसे अच्छी सर्विस शिव के मन्दिर में कर सकेंगे। *सर्विस की सफलता के लिए देही-अभिमानी अवस्था में स्थित होकर सर्विस करो।* दिल साफ तो मुराद हांसिल। बनारस के लिए बाबा तो खास राय देते हैं वहाँ वानप्रस्थियों के आश्रम भी हैं।

उत्तर 14- *C.मुक्तिधाम*

तुम्हारे तीर्थ हैं - घर में बैठ चुपके से मुक्तिधाम पहुँचना। दुनिया के तीर्थ तो कॉमन हैं, तुम्हारे हैं न्यारे। मनुष्यों का बुद्धियोग तो साधू-सन्तों आदि तरफ बहुत ही भटकता रहता है। तुम बच्चों को तो सिर्फ बाप को ही याद करने का डायरेक्शन मिलता है।

उत्तर 15- *B.बहुत मीठा फर्स्टक्लास*

तुम्हारा एक-एक बोल बहुत मीठा फर्स्टक्लास होना चाहिए, जैसे बाप दु:ख हर्ता, सुख कर्ता है, ऐसे बाप समान सबको सुख दो। कोई भी मित्र-सम्बन्धी आदि हैं तो उनसे बहुत नम्रता से, प्रेमभाव से मुस्कराते हुए बात करनी चाहिए।

उत्तर 16- *B.जितना याद में रहेंगे उतना*

तुम्हारे में भी थोड़े जानते हैं कि यह दुनिया बदल रही है। अब हम जाते हैं सुखधाम। तो सदैव ज्ञान के अतीन्द्रिय सुख में रहना चाहिए। *जितना याद में रहेंगे उतना सुख बढ़ता

जायेगा।* छी-छी देह से नष्टोमोहा होते जायेंगे। बाप सिर्फ कहते हैं अलफ को याद करो तो बे बादशाही तुम्हारी है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (62) खण्ड - {124}

प्रश्न 1- शरीर इस पृथ्वी पर है, आत्मा इनसे निकल जाती है तो फिर उस समय -

A- वापिस महतत्व जाती है।

B- उनके लिए मनुष्य सृष्टि है नहीं।

C- कर्मबन्धन साथ रहता है।

D- जैसे सन्नाटा हो जाता है।

प्रश्न 2- ट्रस्टी के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

A- नष्टोमोहा

B- अपना ममत्व मिटा देने वाला

C- ईश्वर का सब कुछ दिया हुआ है ऐसे मान कर चलने वाले

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- बाप ने बच्चों को ज्ञान का तीसरा नेत्र दिया है, जिससे तुम -

A- स्थापना, पालना, विनाश देखते हो।

B- अपने को आत्मा समझ, बाप जो है, जैसा है, उसको उसी रूप में याद करते हो।

C- विश्व का मालिक बनते हैं।

D- त्रिनेत्री त्रिकालदर्शी बनते हो।

प्रश्न 4- कैसे सरलता व सहनशीलता का गुण आयेगा ?

A- श्रेष्ठ स्मृति से

B- पर-उपकारी बनने

C- सर्वस्व त्यागी बनने से

D- मनमनाभव का मन्त्र याद रखने से

प्रश्न 5- जीवनमुक्त होते हैं ?

A- परमधाम में

B- स्वर्ग में

C- कलियुग में

D- संगमयुग

प्रश्न 6- समर्थ बोल की निशानी है-

A- वरदानी बोल हो

B- श्रेष्ठ समृति से हो

C- पर-उपकारी हो

D- जिस बोल में आत्मिक भाव और शुभ भावना हो

प्रश्न 7- कौन सा स्लोगन मस्तक में याद रहे तो परिवर्तन हो जायेगा ?

A- करना ही है

B- दृढ़ संकल्प

C- कड़े नियम का

D- अभी नहीं तो कभी नहीं

प्रश्न 8- हम बच्चे हैं -

A- मैसेन्जर,

B- पैगम्बर

C- वारियर्स

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- तुम कैसे बेगर टू प्रिन्स बनते हो ?

A- राज-तिलक से

B- पढ़ाई और याद की यात्रा से

C- मन्मनाभव मंत्र से

D- अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान करने से

प्रश्न 10- देवताओं के आगे शिव का चित्र रखना तो निषेध है क्योंकि -

A- वह तो भक्ति करते नहीं।

B- ऊंच ते ऊँच है भगवान शिव हैं।

C- वह सतयुग में होते हैं।

D- शिव को जानते नहीं।

प्रश्न 11- परचिंतन कौन करते रहेंगे ?

A- ज्ञान नहीं है तो

B- योग नहीं है तो

C- माया के अधीन हैं तो

D- श्रीमत पर नहीं चलते तो

प्रश्न 12- जो ज्ञान के शौकीन बच्चे हैं, उनकी निशानी क्या होगी ?

A- वे आपस में ज्ञान की ही बातें करेंगे।

B- कभी परचिंतन नहीं करेंगे।

C- एकान्त में जाकर विचार सागर मंथन करेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- कहते हैं ऑन गॉड फादरली सर्विस। गॉड फादर की सर्विस क्या है ?

A- सबको यही पैगाम दो - मन्मनाभव।

B- सबको यही पैगाम दो - बाप आया हुआ है।

C- सबको यही पैगाम दो - दो बाप है।

D- सबको यही पैगाम दो - गीता का भगवान शिव है।

प्रश्न 14- कर्म सम्बन्ध है-

A- सतयुग में

B- द्वापर- कलियुग

C- परमधाम

D- संगमयुग

प्रश्न 15- क्या याद रहने से भी खुशी रहेगी ?

A- हम सो देवता स्वर्गवासी बन रहे हैं।

B- हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं।

C- ब्राह्मण से देवता बनते हैं।

D- हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं।

प्रश्न 16- सारे ड्रामा में महत्व है -

A- सिर्फ परमात्मा का

B- आत्मा और परमात्मा का

C- ज्ञान, भक्ति, वैराग्य का

D- सृष्टि चक्र का

भाग (62) खण्ड {124} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.उनके लिए मनुष्य सृष्टि है नही*

अपने को आत्मा समझ अशरीरी बन बाप को याद करो तो यह दुनिया खत्म हो जाती है। *यह शरीर इस पृथ्वी पर है, आत्मा इनसे निकल जाती है तो फिर उस समय उनके लिए मनुष्य सृष्टि है नहीं।* आत्मा नंगी बन जाती है। फिर जब शरीर में आती है तो पार्ट शुरू होता है।

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

बाप समझाते हैं मीठे बच्चे, ट्रस्टी बनकर रहो तो ममत्व मिट जाये। परन्तु ट्रस्टी बनना मासी का घर नहीं है। यह खुद ट्रस्टी बने हैं, बच्चों को भी ट्रस्टी बनाते हैं। यह कुछ भी लेते हैं क्या? *कहते हैं तुम ट्रस्टी हो सम्भालो। नष्टोमोहा बनो, ट्रस्टी

बने तो फिर ममत्व मिट जाता है। कहते भी हैं ईश्वर का सब कुछ दिया हुआ है।*

उत्तर 3- *B.अपने को आत्मा समझ,बाप जो है,जैसा है उसको उसी रूप में याद करते हो*

अपने को आत्मा समझ, बाप जो है जैसा है, उसी रूप में याद करने के लिए तीसरा नेत्र मिला है। परन्तु यह तीसरा नेत्र काम तब करता है जब पूरा योगयुक्त रहें अर्थात् एक बाप से सच्ची प्रीत हो। किसी के नाम-रूप में लटके हुए न हों। माया प्रीत रखने में ही विघ्न डालती है। इसी में बच्चे धोखा खाते हैं।

उत्तर 4- *C.सर्वस्व त्यागी बनने से*

स्लोगन:- *सर्वस्व त्यागी बनने से ही सरलता व सहनशीलता का गुण आयेगा।*

उत्तर 5- *B.स्वर्ग में*

तुम हर एक को अपना तन-मन-धन भारत को स्वर्ग बनाने में खर्च करना पड़ता है। जितना करेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। सबको यह मैसेज दो कि बाप ब्रह्मा द्वारा कहते हैं कि मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे, जीवनमुक्ति मिल जायेगी। *अभी हैं जीवनबंध फिर जीवनमुक्त होंगे।*

उत्तर 6- *D.जिस बोल में आत्मिक भाव और शुभभावना हो*

स्लोगन:- *समर्थ बोल की निशानी है - जिस बोल में आत्मिक भाव और शुभ भावना हो।*

उत्तर 7- *A.करना ही है*

अटेन्शन रूपी चौकीदार सदा अलर्ट रहें तो अलबेलापन समाप्त हो जायेगा। पहले स्व के ऊपर मेहनत करो फिर सेवा में, तब धरनी परिवर्तन होगी। अभी सिर्फ "कर लेंगे, हो जायेगा" इस आराम के संकल्पों के डंलप को छोड़ो। *करना ही है, यह स्लोगन मस्तक में याद रहे तो परिवर्तन हो जायेगा।*

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

तुम सब हो वारियर्स। तुम्हारी लड़ाई है रावण से, कोई मनुष्य से नहीं है। इसमें मन-बुद्धि से सरेन्डर होना होता है। बाबा यह सब कुछ आपका है। बाप कहेंगे यह सर्विस में लगाओ। सिर्फ यह मैसेज देना है बाप को याद करो और वर्सा लो। *मैसेन्जर, पैगम्बर तुम बच्चों को कहा जाता है।*

उत्तर 9- *B.पढ़ाई और याद की यात्रा से*

अपने आपको राज-तिलक देने के लिए बाप की जो शिक्षायें मिलती हैं उन पर अच्छी रीति चलो। इसमें आशीर्वाद वा कृपा की बात नहीं। फालो फादर करो, दूसरे को नहीं देखना है, *पढ़ाई और याद की यात्रा से ही तुम बेगर टू प्रिन्स बनते हो।*

उत्तर 10- *A.वह तो भक्ति करते नही*

ऊंच ते ऊंच है भगवान शिव की महिमा। भल चित्रों में शंकर आदि के आगे भी शिव का चित्र दिखाया है। *वास्तव में देवताओं के आगे शिव का चित्र रखना तो निषेध है। वह तो भक्ति करते नहीं।* भक्ति न देवतायें करते, न संन्यासी कर सकते हैं। वह हैं ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी।

उत्तर 11- *A.ज्ञान नही है तो*

एकान्त में कहाँ भी बैठो अथवा जाओ, बुद्धि में यही चलता रहे। एकान्त तो बहुत है, ऊपर छत पर तो डरने की बात नहीं। आगे तुम सवेरे में मुरली सुनने के बाद चलते थे पहाड़ों पर। जो सुना उसका चिंतन करने के लिए पहाड़ियों पर जाकर बैठते थे। *जो ज्ञान के शौकीन होंगे, वह तो आपस में ज्ञान की बातें ही करेंगे। ज्ञान नहीं है तो फिर परचिंतन करते रहेंगे।*

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

संगम पर तुम नई-नई बातें सुनते हो तो उसका चिन्तन चलना चाहिए, जिसको विचार सागर मंथन कहा जाता है।

तुम हो रूप-बसन्त। तुम्हारी आत्मा में सारा ज्ञान भरा जाता है तो रत्न निकलने चाहिए। *जो ज्ञान के शौकीन बच्चे हैं वे आपस में ज्ञान की ही बातें करेंगे। कभी परचिंतन नहीं करेंगे। एकान्त में जाकर विचार सागर मंथन करेंगे।*

उत्तर 13- *A.सबको यही पैगाम दो - मन्मनाभव*

सर्विस करते रहें तो कहेंगे यह ईश्वरीय मिशन के अच्छे बच्चे हैं। बाप भी खुश होगा यह तो बहुत अच्छी सर्विस करते हैं। अपनी दिल से पूछना चाहिए - हम सर्विस करते हैं? कहते हैं ऑन गॉड फादरली सर्विस। *गॉड फादर की सर्विस क्या है? बस, सबको यही पैगाम दो - मन्मनाभव।*

उत्तर 14- *A.सतयुग में*

बाबा ने समझाया है - माया पर जीत पाकर कर्मातीत अवस्था में जाना है। *पहले-पहले तुम सतयुग में आये हो कर्म सम्बन्ध में।* उसमें आते-आते फिर आधाकल्प बाद तुम कर्म बन्धन में आ गये हो। पहले-पहले तुम पवित्र आत्मा थी। कर्मबन्धन न सुख का, न दु:ख का था ।

उत्तर 15- *A.हम सो देवता स्वर्गवासी बन रहे हैं*

यह एक ही पढ़ाई है नर से नारायण, नर्कवासी से स्वर्गवासी बनने की। *यह याद रहने से भी खुशी रहेगी - हम सो देवता स्वर्गवासी बन रहे हैं।* संगमयुगवासी होंगे तब तो स्वर्गवासी बनेंगे। आगे नर्कवासी थे तो बिल्कुल गन्दी अवस्था थी, गंदे काम करते थे। अब वह मिटाना है। मनुष्य से देवता स्वर्गवासी बनना है।

उत्तर 16- *B.आत्मा और परमात्मा का*

सबसे जास्ती महत्व है आत्मा और परमात्मा का। आत्मा ही 84 जन्मों का पार्ट बजाती है। तो आत्मा सबसे पावरफुल हुई ना। *सारे ड्रामा में महत्व है आत्मा और परमात्मा का।* जिसको और कोई भी नहीं जानते। एक भी मनुष्य नहीं जानता कि आत्मा क्या, परमात्मा क्या है?